



दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेगबहादुर खालसा कलेज के “स्पोर्ट्स इकनामिक्स एंड मार्केटिंग” और “वेब पत्रकारिता” के विद्यार्थियों द्वारा कदविसीय खेल उत्सव “जोश” का आयोजन किया गया। इस उत्सव में खेल प्रतियोगिता व संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का विषय राष्ट्रमंडल खेल से संबंधित था- “खेलेगा हर कोई, जीतेगी दिल्ली” कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार ए वं सी नईवी चैनल के सी.ई.ओ. श्री राहुल देव थे। उन्होंने देश के विकास में खेलों की उपयोगिता पर बात करते हुए कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि जिस क्रिस के खालसा कलेज ने शुरू किया है उसे ज्यादा से ज्यादा कलेजों द्वारा अनुसरण किया जा। साथ ही यह भी जरूरी है कि जो आधारभूत ढांचा राष्ट्रमंडल खेलों के लिए तैयार किया जा रहा है उसका बेहतर उपयोग इन खेलों के बाद भी होता रहे तभी देश के विकास में इसकी सार्थक भूमिका होगी। वह अस्थायी विकास का साधन बनकर रह जा।

अन्य वक्ताओं में ई सपी न के सौमित्र बोस ने न पाठ्यक्रम शुरू करने पर खालसा कलेज को बधाई देते हुए कहा कि आज खेलों पर आधारित पाठ्यक्रम की अत्यंत आवश्यकता है। यह बखुशी की बात है कि खालसा कलेज देश का ऐसा पहला कलेज है जिसने खेल और बाजार के संबंधों को पहचाना।

राष्ट्रमंडल के सलाहकार समिति के सदस्य अविनाश सहि ने खेल और विकास के आपसी संबंधों पर चर्चा करते हुए कहा कि खेल के का आयोजन से किसी भी शहर, देश के आर्थिक परदृश्य में बहुत बदलाव आता है। जिस तरह से आइ.पी.एल के आगमन से खेलों का आर्थिक परदृश्य बहुत उपर चला गया है। पैट्रोलियम मंत्रालय के अखिलेश झा ने खेल के वित्तीय पक्ष को उजागर करते हुए कहा कि खेलों में वित्तीय आडिट के साथ सामाजिक आडिट होना भी बहुत जरूरी है, तभी खेल अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी।

क्रिस डेवलपर ए वम स्पोर्ट्स एकर अर्जुन जे. चौधरी ने कलेज प्रधानाचार्य डा. जसवदिर सहि की सार्थक भूमिका को सराहते हुए कहा कि न विचार के पाजटिवि रुख अपनाना ही आधी सफलता हो जाती है। क्रिस के सफल होने के पीछे प्रशासन की सकारात्मक सोच बहुत जरूरी है। उन्होंने खेल और मीडिया के आपसी मजबूत संबंधों पर भी प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि खेल के विकास में वजिजापन की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है और खेलों में पैसा तभी आता है। धन्यवाद जजापन पाठ्यक्रम समन्वयक डा. स्मिता मशिर ने करते हुए कहा कि आज शिक्षा को परम्परागत विषयों से आगे बढ़ाने की जरूरत है। प्रतियोगिताओं में जंकार्ड वारस, स्पोर्ट्स क्लजि, स्पोर्ट्स पायटरी, बास्केटबाल, क्लिक पक्ति आरम रेसलिंग जैसे रोचक इवेंट आयोजित कीं। जिसमें भारी संख्या में विद्यार्थियों ने “जोश” में बच कर भाग लिया।